दैनिक
मुंबई केसरी टाइम्स
www.mumbaikesaritimes.com
रविवार २२ दिसम्बर २०१९
४

बुलेट ट्रेन चलाने के लिए जापानी सीख रहे एनएचएसआरसीएल के कर्मचारी

MKT संवाददाता

पालघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है।

अब तक 140 कर्मचारियों को जापानी सिखाई जा चुकी है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है।

इसलिए कॉर्पोरेशन से जुडे कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी समझा गया है। हाल ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके है। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है।

बतादें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह मुंबई-अहमदाबाद के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। 2023 तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।

NAV-BHARAT, Mumbai, 23.12.2019
Page No. 5, Size:(22.05)cms X (13.19)cms.

जापानी भाषा सीख रहे हैं बुलेट ट्रेन के कर्मचारी

तकनीक समझने में होगी आसानी

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी परियोजना मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की जापानी तकनीक और संचालन संबंधी अन्य जानकारी के लिए नेशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारी जापानी भाषा सीख रहे हैं.बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए जापान आर्थिक और अन्य संसाधन के माध्यम से मदद कर रहा है.जपानी कर्मचारियों-अधिकारियों से भारतीय अधिकारी -कर्मचारी संवाद स्थापित कर सकें इसके लिए भारतीय कर्मचारियों को जपानी भाषा सिखाई जा रही है.

द जापान फाऊंडेशन की तरफ से इस प्रकल्प से जुड़े कार्यालयीन कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा कर उन्हें प्रमाणपत्र भी दिया गया. 72 कर्मचारियों ने यह प्रशिक्षण एनएचआरसीएल के मुंबई, बड़ोदा , पालघर, अहमदाबाद, सूरत और दिल्ली के कॉर्पोरेट ऑफिस में पूरा किया.हाई स्पीड रेल टेक्नॉलॉजी जापानी शिन्कसेन ट्रेन टेक्नॉलॉजी के माध्यम से अवगत कराई गई .एनएचआरसीएल के एमडी अचल खरे के हाथों प्रमाणपत्र वितरित किया गया.बताया गया कि जापानी तकनीक को उनकी भाषा में सीखने में आसानी होती है.

परियोजना की विशेषताएं

- मुंबई अहमदाबाद 508 किमी की दूरी में बुलेट ट्रेन दौड़ेगी.
- 156 किमी का मार्ग महाराष्ट्र में , 351 किमी गुजरात में है.
- बुलेट ट्रेन मार्ग पर कुल 12 स्टेशन होंगे.
- मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिल्लीमोरा, सूरत, भरुच, बडोदा, आनंद, अहमदाबाद, साबरमती स्टेशन.
- 350 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ेगी बुलेट ट्रेन.
- अहमदाबाद-मुंबई की दूरी तय करने में फिलहाल रेलवे से 7 से 8 घंटे लगते हैं.बुलेट ट्रेन से 2 घंटे 58 मिनट लगेंगे.
- 1 लाख 8 हजार करोड़ की परियोजना.
- एक बुलेट ट्रेन में 10 डब्बे होंगे जिसमे एक बिजनेस क्लास होगा.

SAMANA, Mumbai, 23.12.2019
Page No. 6, Size:(19.84)cms X (7.26)cms.

खबर आपके वास्ते...

बुलेट कर्मचारियों को 'जापानी' सर्टिफिकेट!

१४० लोग ले चुके हैं ट्रेनिंग

सामना संवाददाता / पालघर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है। अब तक १४० कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखाई जा चुकी है। मुंबई और अमदाबाद के बीच हिंदुस्थान की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है, उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है इसलिए कॉर्पोरेशन से जुड़े कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी है। हाल ही में मुंबई, बडोदरा, पालघर, अमदाबाद, सूरत सहित कॉर्पोरेशन के ७२ कर्मचारियों के एक बैच को पालघर में जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। मतलब बुलेट कर्मचारियों को 'जापानी' सर्टिफिकेट दिए गए।

कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल १४० कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाउंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है। बता दें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार ३२० किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह मुंबई-अमदाबाद के बीच का ५०८ किलोमीटर का फासला सिर्फ ३ घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल १२ स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। २०२३ तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 23.12.2019
Page No. 3, Size:(25.56)cms X (8.40)cms.

तरीके से पहले सलीका सीख रहे हैं बुलेट ट्रेन के कर्मचारी

■ **प्रसं, मुंबई:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए बुलेट ट्रेन के कर्मचारियों की जापानी क्लास लग रही है। पिछले डेढ़ वर्षों में करीब 140 कर्मचारियों ने जापानी भाषा के शिष्टाचार और वहां की संस्कृति के बारे में ट्रेनिंग ली है। इन कर्मचारियों को शिंकानसेन ट्रेन की तकनीक सीखने के लिए जापान में ट्रेनिंग दी जाएगी। इसीलिए तरीका सीखने से पहले सलीका सिखाया गया है।

रोज लगती है क्लास

नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (NHSRCL) द्वारा मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है। उसकी तकनीक जापान की शिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है। कॉर्पोरेशन से जुड़े कर्मचारियों को दिल्ली में रोजाना शाम 5:30 से 6:30 बजे तक प्रत्यक्ष रूप से और अन्य केंद्रों पर विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

'ओहायू गोजाएमासू' से शुरुआत

हाल ही में कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाउंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। गुड मॉर्निंग के लिए ओहायू गोजाएमासू, दोपहर के लिए कोचीनीवा, ओया सुमिनासाई मतलब शुभ रात्रि और विदा लेना हो, तो सायोनारा और देवा माता से काम चल जाएगा। इस तरह के शब्द और शिष्टाचार से कर्मचारियों को अवगत कराया जा रहा है।

नौकरी के लिए रखी थी शर्त

NHSRCL ने इसी साल जून में विभिन्न पदों पर नौकरी के लिए भर्ती निकाली थी। इसमें जापानी भाषा के ज्ञान की शर्त रखी थी। NHSRCL द्वारा बताया गया था कि नौकरी करने के इच्छुक उम्मीदवारों को जापानी लैंग्वेज प्रोफेंसी टेस्ट (JLPT) पास करना जरूरी होगा। NHSRCL ट्रेन के ऑपरेशन और रखरखाव के पदों के लिए स्टेशन ऑपरेशन, ट्रेन ऑपरेशन, रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग, टेलिकम्यूनिकेशन, इलेक्ट्रिकल ऐंड ट्रैक 13 मिडिल लेवल प्रबंधक पदों की नौकरियां निकाली गई थीं।

2023 तक बुलेट चलाने की योजना

जापानी शिकांनसेन तकनीक पर चलने वाली बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी। ये ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद दोनों शहरों के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट पर कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है।

लोकमत

संडे हटके बातमी

बुलेट ट्रेनचे भारतीय कर्मचारी शिकले जपानी भाषा

संवाद साधणे सोपे व्हावे यासाठी प्रयत्न । १४० जणांनी भाषेसह संस्कृतीचीही करुन घेतली ओळख

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचा ड्रीम प्रोजेक्ट म्हणून मुंबई-अहमदाबाद बुलेट हायस्पीड ओळखला जातो. या बुलेट ट्रेनच्या प्रकल्पासाठी जपानची आर्थिक आणि विविध पायाभूत मदत मिळणार आहे. त्यामुळे जपानी कर्मचाऱ्यांशी भारतीय कर्मचाऱ्यांना व्यावहारिक संवाद साधण्यासाठीचा प्रयत्न म्हणून भारतीय कर्मचाऱ्यांनी जपानी भाषा अवगत केली आहे.

जपानच्या साह्याने मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाची आखणी केली आहे. या प्रकल्पाची कामे नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या वतीने पाहिली जात आहेत. नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या एकूण ७२ भारतीय कर्मचाऱ्यांनी नुकतीच जपानी भाषा शिकली आहे. या भाषेचे त्यांना प्रमाणपत्रदेखील मिळाले आहे. जपानी भाषा आणि संस्कृती याचे ज्ञान कर्मचाऱ्यांना मिळाले आहे. मागील पाच महिन्यांपासून कर्मचारी जपानी भाषेचा अभ्यास करत होते.

नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या मुंबई, पालघर, बडोदा, अहमदाबाद आणि सुरत या ठिकाणांतील ७२ कर्मचाऱ्यांना जपानी भाषेचे शिक्षण दिले आहे. नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनचे व्यवस्थापकीय संचालक अचल खरे यांनी कर्मचाऱ्यांना प्रमाणपत्राचे वितरण नुकताच केले. जपानी फाउंडेशन यांच्या वतीने मागील दीड वर्षापासून हे शिक्षण दिले जात आहे. आतापर्यंत १४० भारतीय कर्मचाऱ्यांना जपानी भाषेचे शिक्षण आणि संस्कृतीची ओळख करुन घेतल्याची माहिती नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या अधिकाऱ्यांनी दिली.

बुलेट ट्रेनच्या कामाचा आढावा

५०८ किमीचा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट हायस्पीड प्रकल्पासाठी विशेष निधी म्हणून सुमारे १० हजार कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली आहे, तर २०१८ मधील अर्थसंकल्पात ७ हजार कोटी रुपयांची तरतूद केली होती. देशातील पहिल्या बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी १.०८ लाख कोटी रुपये खर्च येणार आहे. बुलेट ट्रेनच्या प्रकल्पासाठी आर्थिक साहाय्य जपान देशाकडून मिळणार आहे.

बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी जून महिन्यांपर्यंत १ हजार ३८० हेक्टरपैकी ४१४ जमीन संपादित केली, तर आतापर्यंत ७०५ हेक्टर जमीन संपादित केली आहे. गुजरातमधील ९४० हेक्टर जमिनीपैकी ६१७ हेक्टर, महाराष्ट्रातील ४३१ पैकी ८१ हेक्टर आणि दादरा नगर हवेली मधील ८.७ हेक्टरपैकी ६.९ हेक्टर जमीन संपादित केली आहे.

Mumbai Main
Page No. 2 Dec 22, 2019
Powered by: erelego.com

पालघर बोईसर लाइव
DIGITAL
आमजन की आवाज
बोईसर,22 दिसम्बर 2019,रविवार
Palgharboisar Live
Palghar Boisar Live

बुलेट ट्रेन चलाने के लिए जापानी सीख रहे NHSRCL के कर्मचारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है। अब तक 140 कर्मचारियों को जापानी सिखाई जा चुकी है।मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है। इसलिए कॉर्पोरेशन से जुडे कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी समझा गया है। हाल ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था

ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है। बतादें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह मुंबई-अहमदाबाद के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। 2023 तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।

बुलेट ट्रेन चलाने के लिए जापानी सीख रहे NHSRCL के कर्मचारी

महानगर प्रतिनिधि

पालघर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है। अब तक 140 कर्मचारियों को जापानी सिखाई जा चुकी है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है। इसलिए कॉर्पोरेशन से जुडे कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी समझा गया है। हाल ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉर्पोरेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक और प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है। बतादें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह मुंबई-अहमदाबाद के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। 2023 तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।

बुलेट ट्रेन चलाने के लिए जापानी सीख रहे NHSRCL के कर्मचारी

अजीत सिंह

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है। अब तक 140 कर्मचारियों को जापानी सिखाई जा चुकी है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है। इसलिए कॉर्पोरेशन से जुडे कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी समझा गया है। हाल ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉपोर्रेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है। बतादें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह

मुंबई-अहमदाबाद के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। 2023 तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।

बुलेट ट्रेनः जापानी सीख रहे एनएचएसआरसीएल के कर्मचारी

पालघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सपनों की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन अपने कर्मचारियों को जापानी भाषा सिखा रहा है। अब तक 140 कर्मचारियों को जापानी सिखाई जा चुकी है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत की जो पहली बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है उसकी तकनीक जापान की सिंकानसेन बुलेट ट्रेन तकनीक पर आधारित है। इसलिए कॉर्पोरेशन से जुडे कर्मचारियों को जापानी सिखाना जरूरी समझा गया है। हाल ही में मुंबई, बडोदा, पालघर, अहमदाबाद, सुरत सहित कॉपोर्रेशन के 72 कर्मचारियों के एक बैच को जापानी भाषा और संस्कृति शिक्षा ट्रेनिंग के सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन के प्रबंध निदेशक अचल खरे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

140 कर्मचारियों ने ली ट्रेनिंग

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोर्रेशन की अतिरिक्त महाव्यवस्थापक व प्रवक्ता सुषमा गौर ने बताया कि कुल मिलाकर अब तक कुल 140 कर्मचारी बीते डेढ़ साल में इस तरह की ट्रेनिंग ले चुके हैं। ट्रेनिंग प्रोग्राम जापान फाऊंडेशन नाम की संस्था आयोजित कर रही है। प्रोग्राम में जापानी भाषा में बोलचाल और जापानी संस्कृति को समझने पर जोर दिया जाता है। बतादें कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और यह मुंबई-अहमदाबाद के बीच का 508 किलोमीटर का फासला सिर्फ 3 घंटे में पूरा करेगी। मुंबई और अहमदाबाद को मिलाकर पूरे रूट में कुल 12 स्टेशन होंगे। फिलहाल बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिरग्रहण का काम चल रहा है। 2023 तक बुलेट ट्रेन शुरू किए जाने की योजना है।